AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : प्रबंधन विभाग होगा अब नया संकाय

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लविवि के मालवीय सभागार में मंगलवार को हुई एकेडमिक काउंसिल की बैठक में प्रबंधन विभाग को नया संकाय बनाने के प्रस्ताव पर मुहर लगाई गई। यह अभी तक वाणिज्य संकाय के अधीन था। अब इसे अलग संकाय के तौर पर विश्वविद्यालय में पहचान मिलेगी।

बैठक में कॉमर्स संकाय का नाम बदलने के प्रस्ताव को रद्द कर दिया गया। इसे अगली बैठक में शामिल कर विचार करने के लिए कहा गया।

बीते दिनों फैकलटी बोर्ड की बैठक में प्रबंधन विभाग को अलग फैकल्टी बनाने की संस्तुति की गई थी। इसके अलावा वाणिज्य विभाग का नाम बदलने को लेकर फैकल्टी बोर्ड में पास हुए निर्णय को भी एकेडमिक काउंसिल में भेजा गया था। हालांकि, संकायाध्यक्ष के इस फैसले से विभागाध्यक्ष काफी नाराज हुए थे और कुलपति को पत्र लिख प्रस्ताव खारिज करने का अनुरोध किया था। बैठक में नए सिलेबस को भी मंजूरी दी गई। लखनऊ विश्वविद्यालय के संशोधित पीएचडी अध्यादेश में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की नई गाइडलाइंस को शामिल किया गया है।

यहां नेट जेआरएफ पास अभ्यर्थियों को प्रवेश परीक्षा से छूट, महिला और दिव्यांग अभ्यर्थियों को थीसिस जमा करने के लिए अधिक समय, शोध का कोर्स वर्क शुरू होने के पहले गाइड का आवंटन आदि को सहमति दी गई। इस तरह से अगली पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया नए अध्यादेश के हिसाब से संपन्न कराई जाएगी।

प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि एकेडमिक काउंसिल के एजेंडे में शामिल सभी आवश्यक मुद्दों पर विमर्श करते हुए सदस्यों ने अनुमोदन दिया। इस दौरान विद्या परिषद की बैठक में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय, रजिस्ट्रार विनोद कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी, सभी संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, प्रोफेसर व दो सौ के करीब सदस्य थे।

एकेडमिक काउंसिल की बैठक में वाणिज्य संकाय का नाम बदलने का प्रस्ताव खारिज

संशोधित नवीन पीएचडी अध्यादेश को भी दी गई मंजूरी

आगामी सत्र से विद्यार्थियों के लिए तीन तरह की डिग्रियां डुअल, संयुक्त व ट्विनिंग डिग्री प्रोग्राम शुरू करने पर मुहर लगी। इसके साथ ही लविवि के संशोधित नवीन पीएचडी अध्यादेश को भी सभी सदस्यों ने संस्तुति दी।

एकेडमिक काउंसिल की बैठक में विभिन्न विभागों के फैकल्टी बोर्ड से पास वोकेशनल और कोकरिकुलर कोर्स समेत

बीटेक, एमसीए व बीफार्मा की कटऑफ जारी

लखनऊ। लविवि में मंगलवार को बीटेक, एमसीए व बीफार्मा की मेरिट सूची जारी कर दी गई। अभ्यर्थी विवि की वेबसाइट पर लिस्ट व वेटिंग कटऑफ देख सकते हैं। जिन विद्यार्थियों को सीट आवंटित कर दी गई है और वे मेरिट सूची में चयनित हैं, लॉगिन आईडी और पासवर्ड से सीट आवंटन का विवरण देख सकते हैं। चयनितों की काउंसिलिंग 16 व 17 सितंबर को नवीन परिसर स्थित इंजीनियरिंग संकाय में होगी। (संवाद)

विवि के छह विद्यार्थियों का कैंपस प्लेसमेंट

लखनऊ। लविवि की सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में छह छात्रों का चयन पीटीसी इंडस्ट्रीज लिमिटेड में हुआ है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और प्लेसमेंट सेल की निदेशक प्रो. मधुरिमा लाल ने शुभकामनाएं दी हैं। (संवाद)

स्नातक छात्रों को छात्रावास आवंटन जारी

लखनऊ। लविवि में बॉयज, बॉयोलॉग, बॉयोलॉग ऑनर्स, बॉटनीज, बॉयोट्रेड, बॉयोटेक व बॉयोटेक के छात्रों को हॉस्टल का दोबारा आवंटन कर दिया गया है। इसकी संबंधित सूचना विवि की वेबसाइट पर है। जिन छात्रों को छात्रावास आवंटित हुआ है, उन्हें मेल पर भी सूचना दे दी गई है। (संवाद)

असमानता को बढ़ावा देने वाले विचार अपनाना गलत परंपरा

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। असमानता को बढ़ावा देने वाले विचार, व्यवहार को अपनाना सबसे गलत परंपरा है। इससे समाज में समानता, समावेशी सौहार्द को खतरा पैदा होता है और ऊंच-नीच का भाव बढ़ता है। लोगों के व्यवहार परिवर्तन को सही दिशा देने के लिए उन्हें अच्छे विचारों से जोड़ना होगा।

मंगलवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग की ओर से आयोजित सीएसबीसी (कम्युनिकेशन फॉर सोशल एंड बिहेवियर चेंज) कार्यशाला में समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने ये बातें कहीं।

उन्होंने बताया कि सामाजिक भेदभाव और सरकार की योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए उनका विभाग व्यापक स्तर पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित करेगा। यूनीसेफ उप्र. के राज्य प्रमुख जकारी एडम ने कहा, सीएसबीसी की कोविड टीकाकरण में अहम भूमिका रही। भारत को विकासात्मक कार्यक्रम में हमेशा सहयोग किया जाएगा। मौके पर डीन प्रो. अरविंद अवस्थी, शरणम सेवा समिति के सचिव शरफ अब्बास, विभागाध्यक्ष प्रो. अनूप कुमार भारती आदि थे।

लविवि के समाज कार्य विभाग में आयोजित सीएसबीसी कार्यशाला में बोले मंत्री असीम अरुण

लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में आयोजित कार्यशाला में मौजूद मंत्री असीम अरुण व अन्य। संवाद

कल्याण मित्रों की होगी भर्ती

मंत्री असीम अरुण ने कहा, सरकार की योजनाओं को घरातल पर उतारने और उनके सफल क्रियान्वयन के लिए समाज कल्याण विभाग जल्द ब्लॉक स्तर पर कल्याण मित्रों की नियुक्ति करेगा। इसमें समाज कार्य विभाग से पढ़ाई करने वाले युवाओं को तरजीह दी जाएगी।

नए विद्यार्थियों का हुआ स्वागत

लखनऊ। लविवि के वाणिज्य विभाग में मंगलवार को एमकॉम के पहले सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम हुआ। विभागाध्यक्ष प्रो. राममिलन ने नए छात्रों का स्वागत करते विभाग के बारे में बताया। मौके पर प्रो. अवधेश त्रिपाठी व प्रो. सोमेश कुमार शुक्ला आदि थे। (संवाद)

NBT PAGE 6

UG कॉलेज शिक्षक बने रहेंगे PhD सुपरवाइजर

एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

एलयू से संबद्ध यूजी कॉलेज के शिक्षक पीएचडी सुपरवाइजर बने रहेंगे। यह फैसला मंगलवार को एकेडमिक काउंसिल की बैठक में लिया गया। बैठक में अलग-अलग विभागों के बोर्ड ऑफ स्टडीज और फैकल्टी बोर्ड से पास प्रस्तावों पर चर्चा हुई। यह भी तय हआ कि मैनेजमेंट की फैकल्टी बनेगी।

यूजीसी गाइडलाइंस के अनुसार तैयार किए गए संशोधित पीएचडी अध्यादेश भी पेश किया गया। यूजीसी के नियमों के अनुसार इस अध्यादेश में यूजी कॉलेजों के शिक्षकों को पीएचडी कराने पर रोक लगाई गई थी। एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय के मुताबिक उन्होंने इसमें हस्तक्षेप किया और प्रस्ताव रखा कि यूजी कॉलेजों के शिक्षकों को पीएचडी कराने से न रोका जाए। वह पहले से पीएचडी कराते आ रहे हैं। एकेडमिक काउंसिल में मौजूद सदस्यों ने इसका समर्थन किया। इसके बाद इस एक बदलाव के साथ नया पीएचडी अध्यादेश पास हो गया। साथ ही नया यूजी अध्यादेश भी पास किया गया। पहले एलयू में 192 क्रेडिट्स की व्यवस्था थी। पर अब इसे यूजीसी के नियमों के अनुसार 160 क्रेडिट का कर दिया गया है। वीसी ने बताया कि अब छात्र पांचवे सेमेस्टर में ही चौथे वर्ष के लिए मेजर विषय का चुनाव कर सकेगा। यह व्यवस्था सत्र 2021-22 से लागू होगी। बैठक में कई तरह के डिग्री कार्यक्रम शुरू करने पर भी सहमति बनी। एकेडमिक काउंसिल की बैठक में कॉमर्स फैकल्टी का नाम बदलने का मुद्दा रखा गया। दो शिक्षकों के विरोध पर इस पर बाद में विचार करने का फैसला हुआ। बैठक में एकेडमिक काउंसिल में रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह, परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी, प्रवक्ता डॉ.दुर्गेश श्रीवास्तव समेत अन्य सदस्य मौजूद रहे।

LU एकेडमिक काउंसिल की बैठक में पीएचडी और यूजी अध्यादेश पास

अन्य प्रमुख फैसले

- रिसर्च के दौरान 3 से 4 साल के बीच शोधार्थी को केवल एक अनुसंधान पेपर प्रकाशित करना होगा।
- 4 से 5 साल में थीसिस जमा करने के लिए दो शोध पेपर देने होंगे।
- 5-6 साल में थीसिस जमा करने के लिए तीन रिसर्च पेपर की आवश्यकता होगी।
- लिखित परीक्षा से पहले विवि और कॉलेजों के शिक्षकों को आंतरिक परीक्षा के अंक विभाग को देने होंगे।
- एक शिक्षक बतौर परीक्षक अधिकतम पांच जगह ही प्रयोगात्मक परीक्षा के लिए जा सकेगा।

छह विद्यार्थियों का कैंपस प्लेसमेंट

एनबीटी सं., लखनऊ: एलयू के सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की प्लेसमेंट ड्राइव में छह स्टूडेंट्स का चयन पीटीसी इंडस्ट्रीज में हुआ है। निदेशक प्रो. मधुरिमा लाल ने बताया कि चयनित स्टूडेंट्स में शुभम मिश्रा, पल्लवी शुक्ला, हर्षिता सरोज, नंदिनी सूद, संयुक्ता शुक्ला और सचिन शामिल हैं। वहीं, वाणिज्य विभाग ने एमकॉम के नए स्टूडेंट्स के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम हुआ। विभागाध्यक्ष प्रो. राम मिलन ने स्टूडेंट्स को विभाग की विभिन्न योजनाओं से अवगत करवाया। इस मौके पर प्रो. एसके शुक्ला, प्रो. अवधेश कुमार, डॉ. सुनीता श्रीवास्तव, डॉ. गीतिका टी कपूर मौजूद रहीं।

LLM स्टूडेंट्स को मौखिक परीक्षा का एक और मौका

एनबीटी सं., लखनऊ

एलयू में एलएलएम फोर्थ सेमेस्टर के स्टूडेंट्स को मौखिक परीक्षा देने का एक और मौका दिया गया है। वारिश के कारण सोमवार को कई स्टूडेंट्स की परीक्षा छूट गई थी। विधि संकाय के अध्यक्ष प्रो. वीडी सिंह के अनुसार एलएलएम फोर्थ सेमेस्टर की मौखिक परीक्षा 11 सितंबर की दोपहर एक बजे से थी। हालांकि तेज वारिश के चलते कई स्टूडेंट्स परीक्षा नहीं दे सके थे। इसे देखते हुए एक और मौका दिए जाने का निर्णय लिया गया है। छूटे स्टूडेंट्स की परीक्षा 14 सितंबर की दोपहर एक बजे से विभाग में होगी।

प्रथम सेमेस्टर की क्लासेस आज से: एलयू में एलएलएम और एलएलबी के प्रथम सेमेस्टर की क्लासेस की डेट जारी कर दी गई हैं। संकायाध्यक्ष प्रो. वीडी सिंह के अनुसार प्रथम सेमेस्टर की क्लासेस बुधवार से शुरू होंगी। टाइम टेबल विभाग के नोटिस बोर्ड पर चस्पा करवाने के साथ ही विवि की वेबसाइट पर भी अपलोड कर दिया गया है।

11 सितंबर को बारिश के कारण छूट गई थी कई स्टूडेंट्स की परीक्षा

16, 17 को होगी बीटेक, बीफार्मा और एमसीए की काउंसलिंग : एलयू में बीटेक, फार्मेसी और एमसीए पाठ्यक्रमों में काउंसलिंग अब 16 और 17 सितम्बर को होगी। तीनों कोर्सों का सीट अलॉटमेंट बुधवार को जारी होगा। एलयू अब बीटेक, वीफार्मा और एमसीए में अपने स्तर से प्रवेश लेगा। बीटेक के लिए जेईई मेंस, वीफार्मा में सीयूईटी यूजी व एमसीए में सीयूईटी पीजी क्वालाईफाई अभ्यर्थियों के आवेदन लिए गए थे। एलयू प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि बुधवार दोपहर 12 बजे के बाद अभ्यर्थी सीट अलॉटमेंट देख सकेंगे।

HINDUSTAN PAGE 6

संबद्ध कॉलेज के शिक्षक पीएचडी सुपरवाइजर रहेंगे

एकेडमिक काउंसिल

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेज के शिक्षक पीएचडी सुपरवाइजर बने रहेंगे। स्नातक कार्यक्रम अब 160 क्रेडिट का होगा। वाणिज्य संकाय का नाम अभी नहीं बदलेगा। साथ ही परीक्षक के तौर पर एक शिक्षक अधिकतम पांच स्थानों पर ही प्रयोगात्मक परीक्षा ले सकेंगे। मंगलवार को आयोजित एकेडमिक काउंसिल की बैठक में मुख्य रूप से इन मुद्दों पर चर्चा के बाद फैसला लिया गया।

एलयू में मंगलवार को एकेडमिक काउंसिल की बैठक रखी गई। यहां अलग-अलग विभागों के बोर्ड ऑफ स्टडीज और फैकल्टी बोर्ड से पास प्रस्तावों पर चर्चा हुई। यूजीसी गाइडलाइंस के अनुसार तैयार किए गए संशोधित पीएचडी अध्यादेश भी पेश किया गया। जिसमें यूजी कॉलेजों के शिक्षकों को पीएचडी कराने का अधिकार नहीं था। लेकिन बैठक में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने इस मामले में हस्तक्षेप किया और यूजी कॉलेजों के शिक्षकों को पीएचडी से वंचित न रखने का फैसला किया। इसी एक बदलाव के साथ पीएचडी अध्यादेश पास हुआ। साथ ही नया यूजी अध्यादेश भी पास किया गया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि अब छात्र तृतीय वर्ष में ही चतुर्थ वर्ष के लिए मेजर विषय चुन सकेंगे। बैठक में कई तरह के डिग्री कार्यक्रमों को शुरू करने पर भी सहमति बनी। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, विद्यानंद व सदस्य उपस्थित रहे।

160 क्रेडिट का होगा स्नातक स्तर का कार्यक्रम

05 स्थानों पर एक शिक्षक अब परीक्षक के तौर लेंगे प्रैक्टिल

कामर्स फैकल्टी के नाम बदलने पर पुनर्विचार

एकेडमिक काउंसिल की बैठक में जैसे ही कामर्स फैकल्टी के नाम बदलने का मुद्दा रखा गया। उसी वक्त दो शिक्षकों ने इसका विरोध जताया। कहा कि कामर्स फैकल्टी का नाम बदलने का मतलब उसकी आत्मा को मारना है। गौरतलब है कि कामर्स फैकल्टी को कामर्स एंड एप्लाइड इकोनॉमिक्स फैकल्टी के तौर पर रखने का प्रस्ताव था। बैठक में यूजी अध्यादेश के तहत परीक्षा से जुड़े भी कई मुद्दे पास हुए। इससे अब लिखित परीक्षा के आयोजन से पहले विवि और कॉलेजों के शिक्षकों को आंतरिक परीक्षा के अंक परीक्षा विभाग को देने होंगे।

कल्याण मित्र के पद सृजित करेगी सरकार : असीम

लखनऊ, संवाददाता। समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि सरकार कल्याण मित्र के पदों का सृजन करने जा रही है जिससे युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। वह मंगलवार को एलयू के समाज कार्य विभाग में यूनिसेफ और शरणम् सेवा समिति की ओर से सामाजिक एवं व्यवहार परिवर्तन के लिए संचार पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे।

पिछली गलतियों से सीखना होगा: असीम अरुण ने कहा कि हमें अपनी पिछली गलतियों से सीखने और गलत संचार को सुधारने के लिए सीएसबीसी कार्यक्रम में सहभागी बनना होगा। इस मौके पर यूनिसेफ उत्तर प्रदेश के प्रमुख डॉ. जकारी एडम ने बताया कि सीएसबीसी की महत्वपूर्ण भूमिका कोविड-19 महामारी के दौरान टीकाकरण अभियान में रही। इस मौके पर यूनिसेफ यूपी के सीएसबीसी कार्यक्रम अधिकारी दया शंकर सिंह, कला संकाय के अध्यक्ष प्रो. अरविन्द अवस्थी, शरफ अब्बास खान, प्रो. अनूप कुमार आदि उपस्थित रहे।

असीम अरुण, राज्यमंत्री

बीटेक, बीफार्मा की मेरिट सूची जारी

लखनऊ। एलयू में इंजीनियरिंग, फार्मेसी पाठ्यक्रमों की मंगलवार को प्रोविजनल मेरिट लिस्ट जारी कर दी गई है। काउंसलिंग अब 16 और 17 सितम्बर को होगी। एलयू में अब बीटेक, बीफार्मा और एमसीए कार्यक्रम में एडमिशन अपने स्तर से लेगा। बीटेक के लिए जेईई मेंस, बीफार्मा में सीयूईटी यूजी व एमसीए में सीयूईटी पीजी अभ्यर्थियों के आवेदन लिए गए थे।

एमकॉम के छात्रों को पाठ्यक्रम की जानकारी दी

लखनऊ। एलयू के वाणिज्य विभाग में मंगलवार को एमकॉम प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यहां एचओडी प्रो. राम मिलन ने छात्रों को विभाग की ओर से चलाई जा रही परियोजनाओं के बारे जानकारी दी। इस मौके पर प्रो. एसके शुक्ला, प्रो. अवधेश कुमार, डॉ. सुनीता श्रीवास्तव, डॉ.गीतिका उपस्थित रहे।

एलयू के छह विद्यार्थियों का पीटीसी में चयन

लखनऊ। एलयू के सेंट्रल प्लेसमेंट सेल द्वारा आयोजित प्लेसमेंट ड्राइव में छह विद्यार्थियों का चयन पीटीसी इंडस्ट्रीज में हुआ। निदेशक प्रो. मधुरिमा लाल ने बताया कि एमएससी केमिस्ट्री के शुभम मिश्रा, पल्लवी शुक्ला, हर्षिता सरोज, नंदिनी सूद, संयुक्ता शुक्ला और सचिन कुमार को चयन किया गया है। प्रो. मधुरिमा ने कहा कि हम देश की मजबूत प्लेसमेंट सेल बनने की ओर है।

कोर्सेस	सीटें	फीस
बी.टेक बिल्डिंग इंजीनियरिंग	60	60,000
बी.टेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग	120	60,000
बी.टेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (एआई)	120	60,000
बीटेक इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग	60	60,000
बी.टेक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग	60	60,000
बी.टेक मेकेनिकल इंजीनियरिंग	60	60,000
बी.फार्मा	100	60,000
एमसीए	30	56,000

कोर्सेस में सीटें व फीस

AMRIT VICHAR PAGE 4

तीन वर्ष में पूरी की थीसिस तो प्रकाशित करना होगा केवल एक अनुसंधान पेपर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- लविवि में एकेडमिक काउंसिल की बैठक में लिया गया निर्णय

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय में अब पीएचडी कर रहे छात्रों को तीन से चार वर्ष के भीतर थीसिस पूरी करना पड़ेगा। इसके अनुसंधान पेपर प्रकाशित कराना होगा। मंगलवार को हुई एकेडमिक काउंसिल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। इससे छात्रों की पीएचडी जल्द पूरी हो जाएगी।

पूर्व में पीएचडी करने वाले छात्रों को दो अनुसंधान प्रकाशित कराने होते थे। अब इसे समयबद्ध कर दिया गया है। नए नियमों के अनुसार चार से पांच वर्षों में थीसिस जमा करने पर दो अनुसंधान पेपर की आवश्यकता होगी, जबकि पांच से छह वर्षों में थीसिस जमा करने पर तीन अनुसंधान पेपर प्रकाशित कराने होंगे। नए नियमों के तहत छात्रों को डॉक्टरल डिग्री जल्दी पूरी करने का मौका मिलेगा। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने कहा कि डॉक्टरल थीसिस की जल्दी प्रस्तुति से छात्र को अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धी क्षेत्र में पहले आने का मौका मिलेगा। डीन एकेडेमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने कहा कि लखनऊ विश्वविद्यालय यह मानता है कि इन प्रयासों से छात्रों को उनकी पीएचडी डिग्री को जल्दी पूरा करने के प्रेरित करने के साथ-साथ शैक्षिक और अनुसंधान पारिस्थितिकी में भी महत्वपूर्ण योगदान करेगी। इस बदलाव